हाथ का हुनर मिटाएगा गरीबी की लकीर

नए वर्ष में बेरोजगारों को मिलेगा स्वरोजगार का तोहफा

जितेंद्र शर्मा • लखनऊ

पूंजी से हाथ खाली और काम-रोजगार का टोटा। गरीबी के इस बड़े आधार को सरकार ने समझा है। दान, भत्ते और अनुदान कुछ समय का सहारा तो बन सकते हैं, लेकिन अब प्रयास इस दिशा में तेज हुए हैं कि हाथों को हुनर देकर गरीबी की इस रेखा को काट दिया जाए। एक जिला एक उत्पाद, विश्वकर्मा श्रम सम्मान और खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग ने अपनी योजनाओं में वर्ष 2021 के लिए स्वरोजगार के लक्ष्य तय किए हैं। गरीबों को न सिर्फ हुनरमंद बनाया जाएगा, बल्कि ऋण की व्यवस्था भी सरकार ही कराएगी।

गरीबी उन्मूलन यूं तो केंद्र सरकार का वृहद कार्यक्रम है, जिसमें राज्यों की अपनी भागीदारी होती है, लेकिन यूपी सरकार ने अपनी ऐसी तमाम योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधे तौर पर मकसद गरीबी को मिटाना या कम करना ही है। इनमें एक जिला एक उत्पाद योजना खास तौर पर पारंपरिक उद्योगों को बढ़ाने के लिए है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दिलाना है। इसके अलावा सरकार ने तय किया है कि वर्ष 2021 में इस योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को संबंधित जिले के उत्पाद विशेष के निर्माण संबंधी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। फिर मुद्रा योजना के तहत उसे ऋण दिलाकर काम शुरू कराया जाएगा।

इसी तरह विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना भी योगी सरकार चला रही है। इसमें हजारों पारंपरिक कारीगरों को टूल किट का वितरण किया गया है। इनमें धोबी, नाई, मिस्त्री जैसे कामकाज करने वाले लोग हैं। इस योजना में अब टूल किट के साथ ही प्रशिक्षण दिलाया जाएगा, ताकि उनका काम निखरे और उत्पादों को बाजार में जगह मिले। गांव-कस्बों में रहने वालों के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग ने भी नए वर्ष के लक्ष्य तय किए हैं। विभिन्न योजनाओं में लोगों को प्रशिक्षण देने के साथ ही सोलर चाक जैसे उत्पाद और बैंक से ऋण भी सरकार दिलाएगी, ताकि वह अपने काम को बेहतर और व्यवस्थित कर सकें।

कवायद

- योगी सरकार ने विभिन्न योजनाओं में तय किए हैं लक्ष्य
- ऋण की व्यवस्था भी सरकार ही कराएगी

लगातार चल रही योजनाएं युवाओं को स्वरोजगार दिला रही हैं। मुख्यमंत्री ने सभी योजनाओं में और तेजी लाने के लिए कहा है। ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान और खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इनसे उत्पन्न होने वाला प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार हजारों-लाखों लोगों के आर्थिक संकट को दूर करने में मददगार होगा।

डॉ.नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग

नए वर्ष के लक्ष्य

ओडीओपी : एक जिला एक उत्पाद योजना में 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ही बैंक से लोन दिलाया जाएगा। इतने लोग न सिर्फ अपना काम शुरू कर सकेंगे बल्कि एक व्यक्ति दूसरों को भी रोजगार दे सकेगा।

एक जनपद एक उत्पाद

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना : विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 30 हजार गरीबों को प्रशिक्षण के साथ टूल किट दी जाएगी। विभाग का मानना है कि इससे एक व्यक्ति कम से कम तीन-चार लोगों को अपने साथ काम दे सकेगा।

खादी एवं ग्रामोद्योग : खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं से दस हजार लोगों को प्रशिक्षण उपकरण और आर्थिक सहायता इस वर्ष दी जानी है। इससे भी ग्रामीण स्तर पर बेरोजगारों को काम उपलब्ध होगा।

उत्तर प्रदेश की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/state/uttar-pradesh पर